जनवाणी

# आपदा को लेकर सीएसएमसीआरआई चिंतित

## दो आरओ वैन भेजी, लोगों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

● वरिष्ठ संवाददाता, ऋषिकेश

आरओ सिस्टम को शुरू करते अधिकारी।

**उत्तराखंड** की प्राकृतिक आपदा से विभिन्न वजहों पर दूषित हुए जलस्रोतों से जल जनित रोगों के फैलने की आशंका के मद्देनजर केंद्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई) राज्य की मदद के लिए आगे आया है। संस्थान ने दो आरओ वैन भेजी है।

आपदा प्रभावित गंगा तटीय क्षेत्रों में सीएसएमसीआरआई दो आरओ वैन की मदद से शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। इसके लिए एक आरओ वैन ने ऋषिकेश और एक श्रीनगर में का करना शुरू कर दिया है। जल संस्थान के माध्यम से लोग शुद्ध पानी प्राप्त कर सकेंगे। सीएसएमसीआरआई के वित्त एवं लेखाधिकारी अनिल चंद्र गैरोला ने बताया कि 11 सदस्यीय टीम ने यहां कैंप कर दिया है। इसमें पांच लोग श्रीनगर और छह लोग ऋषिकेश में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न वजहों पर तमाम प्राकृतिक खासकर गंगा का पानी दूषित हुआ है। इससे जल जनित रोग फैलने की आशंका है। इसी के मद्देनजर संस्थान ने दो वैन यहां भेजी है। आरओ वैन सुनामी, पश्चिम बंगाल और नार्थ ईस्ट में आई बाढ़ में शानदार काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मांग होगी तो और आरओ वैन मंगाई जाएंगी। संस्थान के निदेशक एके घोष स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। टेक्निशियन अरविंद भाई पटेल ने आरओ के पेयजल शुद्धिकरण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया एक घंटे में करीब पांच हजार लीटर पानी को शुरू किया जा सकता है। इसकी क्षमता पानी की अशुद्धता पर निर्भर करती है।